पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल ने पीलीभीत में गाँवों, आंगनबाड़ी केन्द्रों और एस0 एस0 बी0 आउट पोस्ट का दौरा किया

ग्रामवासी अपने बच्चे को आंगनवाड़ी अवश्य भेजें

बच्चे की रुचि पहचानकर आगे की शिक्षा दिलाएं

देश की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी

स्कूली बच्चों को बार्डर पर भ्रमण कराकर दायित्वों का बोध कराएं

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

लखनऊः 22 नवम्बर, 2022

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद पीलीभीत भ्रमण के आज दूसरे दिन सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित नौजल्हा नकटहा ग्राम तथा तहसील कलीनगर के ग्राम महराजपुर ढकिया में गाँव वासियों से मुलाकात और वार्ता, सब्जी उत्पादक कृषकों एवं प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक समूहों से वार्ता, आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण, एस0 एस0 बी0 आउट पोस्ट पर जवानों से मुलाकात और वार्ता की।

किसानों से भेट वार्ता के दौरान राज्यपाल जी ने उनके उत्पादों की जानकारी ली और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। सब्जी उत्पादन से जुड़े किसानों से राज्यपाल जी ने सब्जी के पोषक तत्वों पर चर्चा करते करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका को विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने महिला कृषको के उत्पादों को विपणन से जोड़ने पर भी चर्चा की।

भ्रमण के दौरान नौजल्हा नकटहा ग्राम तथा तहसील कलीनगर के ग्राम महराजपुर ढकिया में आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में भी पहुँची। आंगनबाड़ी केन्द्र पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने ग्राम वासियों से कहा कि अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र अवश्य भेजें। बच्चे की शिक्षा अनवरत जारी रहे, हम सबको मिलकर

सुनिश्चित करना होगा। अभी 30 फ़ीसदी बच्चे ही कॉलेज पहुँचते हैं। प्रधानमंत्री का 2030 तक लक्ष्य है कि 50 फ़ीसदी बच्चे कॉलेज पहुंचे।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन बच्चों की आयु सितंबर माह में 05 वर्ष की पूरी हो रही है। उन बच्चों का प्रवेश माह अप्रैल में ही कर लिया जाए, ताकि उनके राशन व शिक्षा का नुकसान ना हो। इसे अगले वर्ष से सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि हमें भारत को सशक्त, और विकसित राष्ट्र की दिशा में प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हमारे सभी बच्चे शिक्षित हों। उन्होंने कहा की अभिभावकों को अपने बच्चों की रूचि पहचानकर उसी दिशा में शिक्षा के लिए आगे बढ़ाना होगा। भविष्य में उसे क्या बनना है, इसके लिए अभी से प्रवृत्तियों शुरू करनी होगी। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने बच्चों के उचित पोषण, सरकारी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने की चर्चा भी की।

कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने दोनों गाँवों, 5 आंगनबाड़ी केंद्रों – कुल 10 केन्द्रों के लिए राजभवन की तरफ से किट उपलब्ध कराई गयी, जिसमें उन्होंने बच्चों के लिए कुर्सियों, मेज, खिलौने, साइकिल सहित किट की अन्य सामग्री भी प्रदान की। राज्यपाल जी ने महिलाओं को पुष्टाहार किट देकर गोद भराई संस्कार व छह माह के बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। उन्होंने दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण एवं लाभार्थियों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड प्रदान किए। कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को पोषण सामग्री भी वितरित की तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अभ्यर्थियों को उनके आवास की प्रतीकात्मक चाबी भी भेंट की।

राज्यपाल जी आज के भ्रमण में एस0 एस0 बी0 आउट पोस्ट पर जवानों से भी मिली और उनसे वार्ता की। सुरक्षा में तैनात जवानों के कार्यों की सराहना की और कहा देश को सुरक्षित रखकर विकास को गति प्रदान करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सबको मिलकर सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर भारत बनाना है। जिम्मेदारी को दिल से निभाएं और परिणाम तक पूरी दृढ़ता से डटें रहें तभी विकास को गति देते हुए हम सब विश्वस्तर पर भारत को गरिमा और सामर्थ्य के साथ स्थापित रखने में समर्थ होंगे। उन्होंने जवानों को सीमावर्ती स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा स्कूली बच्चों को बॉर्डर पर लाकर भ्रमण के द्वारा उनमें देश प्रेम का बोध, दायित्वों का बोध भी जाग्रत कराना चाहिए।

———

डा0 सीमा गुप्ता/राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361